Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—2007

PAPER—III

Time : 2½ hours] **HINDI** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HINDI

हिन्दी

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

नोट : यह प्रश्नपत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चार खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

खण्ड – I

निर्देश : ***निम्नलिखित पद्य-अवतरण के आधार पर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस-तीस (30-30) शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।***

खण्ड - I

चढ़ा असाढ़, गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा।।
धूम, साम, घौरे घन धाए। सेत धजा बग पाँति देखाए।।
खड़ग बीजु चमकै चहुँ ओरा। बुंद बान बरसहिं घन घोरा।।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत! उबारू मदन हौं घेरी।।
दादुर मोर कोकिला, पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ।।
पुष्य नखत सिर ऊपर आवा। हौं बिनु नाह, मँदिर को छावा?
अद्रा लाग लागि भुइँ लेई। मोहि बिनु पिउ को आदर देई?

1. यहाँ प्रकृति किस रूप में चित्रित हुई है?

2. इस माह में किन-किन जीवों की ध्वनियाँ नागमती के विरह को बढ़ा देती हैं और कैसे?

3. पुष्य नक्षत्र लगने से नागमती क्यों चिन्तित हो जाती है?

4. ‘मोहि बिनु पिउ को आदर देई’ का आशय स्पष्ट कीजिए।

5. लोक संस्कृति की कौन सी विशेषता इस काव्यांश में दिखाई देती है?

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. हठयोग साधना से क्या अभिप्राय है?

7. सूर के बाल-चित्रण की विशेषताएँ बताइए।

8. कबीर के माया-संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

9. केशव के संवाद-कौशल का सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए।

10. भारतेन्दु मंडल का परिचय दीजिए।

11. प्रसाद की प्रेम–दृष्टि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

12. सामूहिक अवचेतन से क्या अभिप्राय है?

13. रघुवीर सहाय की राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

14. ‘अकहानी’ की विशेषताएं बताइए।

15. ‘गोदान’ शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

16. ‘ध्रुवस्वामिनी’ के आधार पर प्रसाद की नारी–दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

17. बालकृष्ण भट्ट की निबन्ध शैली की विशेषताएँ बताइए।

18. ‘सहृदय सामाजिक’ किसे कहते हैं?

19. यमक और श्लेष का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

20. अभिव्यंजनावाद की मूल स्थापनाएं लिखिए।

खण्ड – III

निर्देश : निम्नलिखित ***चार वैकल्पिक वर्गों*** में से ***किसी एक वर्ग*** का चुनाव करें और ***उसी वैकल्पिक वर्ग*** के ***पाँचों प्रश्नों*** का उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प – I : (भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :
ॲखियाँ हरि दरसन की भूखी।
कैसे रहैं रूपरसराची ये बतियाँ सुनि रूखी।।
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी।।
बारक वह मुख फैरि दिखायो दुहि पै पिवत पतूखी।
सूर सिकत हठि नाव चलायो ये सरिता है सूखी।।

22. कबीर की दृष्टि में गुरु का महत्व स्पष्ट कीजिए।

23. रूपक तत्व की दृष्टि से 'पद्मावत' पर विचार कीजिए।

24. 'सूर की भक्ति साध्य स्वरूपा है।' — स्पष्ट कीजिए।

25. 'तुलसी के रामराज्य की परिकल्पना एक यूटोपिया है।' — इस उक्ति पर विचार कीजिए।

विकल्प – II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

चाहिए तुझको सदा मेहरून्निसा
जो निकाले इत्र, रू, ऐसी दिशा
बहाकर ले चले लोगों को, नहीं कोई किनारा
जहाँ अपना नहीं कोई भी सहारा
ख्वाब में डूबा चमकता हो सितारा
पेट में डँड़ पेले हों चूहे, ज़बाँ पर लफ़्ज़ प्यारा।

22. छायावादी कवियों के सौन्दर्यबोध पर प्रकाश डालिए।

23. प्रसाद की समरसतावादी दृष्टि का विवेचन कीजिए।

24. महादेवी की काव्य भाषा का मूल्यांकन कीजिए।

25. 'पन्त की सौन्दर्य चेतना में प्रकृति की रचनात्मक भूमिका है।' — विचार कीजिए।

विकल्प – III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

जीवन के संघर्ष में उसे सदैव हार हुई, पर उसने कभी हिम्मत नहीं हारी। प्रत्येक हार जैसे उसे भाग्य से लड़ने की शक्ति भी देती थी; मगर अब वह उस अन्तिम दशा को पहुँच गया था, जब उसमें आत्मविश्वास भी न रहा था। अगर वह अपने धर्म पर अटल रह सकता, तो भी कुछ आँसू पुछते, मगर वह बात न थी। उसने नीयत भी बिगाड़ी, अधर्म भी कमाया, कोई ऐसी बुराई न थी; जिसमें वह पड़ा न हो; पर जीवन की कोई अभिलाषा न पूरी हुई और भले दिन मृगतष्णा की भाँति दूर ही होते चले गए।

22. राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में हिन्दी उपन्यासों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

23. " 'मैला आँचल' में बामनदास की मृत्यु भारतीय राजनीति में गांधीवाद का अवसान है।" — इस कथन पर विचार कीजिए।

24. दलित लेखन के सन्दर्भ में 'सहानुभूति और स्वानुभूति' के प्रश्न पर विचार कीजिए।

25. कहानीकार के रूप में जयशंकर प्रसाद का महत्व निरूपित कीजिए।

विकल्प – IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' — विश्लेषण कीजिए।

22. औचित्य सम्प्रदाय की मुख्य मान्यताओं का परिचय दीजिए।

23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचनात्मक प्रतिमानों का उल्लेख कीजिए।

24. टी.एस. इलियट की परम्परा की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

25. संरचनावाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) भक्तिकाव्य के दार्शनिक आधार;

(ख) छायावादी कवियों की विश्वदृष्टि;

(ग) भारतीय राजनीति और स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य;

(घ) हिन्दी आलोचना के पाश्चात्य प्रतिमान।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....